समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

बेगंलुरु के इंफ्रास्ट्रक्चर पर सवाल उठाने पर किरण मजूमदार-शॉ पर डीके शिवकुमार ने लगाया राज्य बदनाम करने का आरोप

Publisher

Published on 16 Oct 2025

कर्नाटक की राजनीति और कारोबारी जगत में इन दिनों **किरण मजूमदार-शॉ और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार** के बीच बयानबाजी चर्चा का विषय बनी हुई है। बायोकॉन की चेयरपर्सन और देश की अग्रणी उद्यमियों में से एक किरण मजूमदार-शॉ ने हाल ही में बेंगलुरु के **इंफ्रास्ट्रक्चर** और शहरी विकास को लेकर चिंता जताई। उन्होंने शहर में यातायात, सड़कों की हालत और सार्वजनिक सुविधाओं के मुद्दों को उठाया, जिससे यह बात तेजी से मीडिया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

इस पर कर्नाटक के **डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार** ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि किरण मजूमदार-शॉ द्वारा बेंगलुरु और कर्नाटक के इंफ्रास्ट्रक्चर पर उठाए गए सवालों से राज्य और देश की छवि को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ऐसे बयान **राज्य और जनता के प्रति विश्वासघात** के समान हैं। डीके शिवकुमार ने जोर देकर कहा कि बेंगलुरु का विकास लगातार हो रहा है और सार्वजनिक सुविधाओं में निरंतर सुधार किया जा रहा है।

हालांकि, किरण मजूमदार-शॉ के समर्थन में बेंगलुरु के नागरिक और व्यापारिक समुदाय ने आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि शहर की वास्तविक समस्याओं को उजागर करना न केवल उनकी जिम्मेदारी है, बल्कि यह स्थानीय प्रशासन और सरकार के लिए सुधार के अवसर भी प्रदान करता है। कई नागरिकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह स्पष्ट किया कि बेंगलुरु में बढ़ती ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित पार्किंग और पुरानी सड़कों की समस्या गंभीर रूप से महसूस की जा रही है।

किरण मजूमदार-शॉ ने अपने बयान में कहा कि उनका उद्देश्य किसी पर व्यक्तिगत आरोप लगाना नहीं था, बल्कि **शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर और जीवन स्तर मे सुधार** के लिए लोगों और सरकार का ध्यान आकर्षित करना था। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बेंगलुरु जैसे मेट्रो शहर में तकनीकी और स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ **सड़क, जल और सार्वजनिक परिवहन** में सुधार अत्यंत आवश्यक है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह विवाद **कर्नाटक की राजनीति मे आम जन और उद्यमियों के बीच टकराव** को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में राजनीतिक हस्तक्षेप आम है, लेकिन नागरिकों और उद्यमियों का समर्थन भी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि यह शहरी विकास और प्रशासनिक जवाबदेही के लिए एक प्रेरक भूमिका निभा सकता है।

बेंगलुरु के कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने भी किरण मजूमदार-शॉ के बयान का समर्थन किया। उनका कहना है कि **उद्योगपति और नागरिक जो शहर की समस्याओं को सामने लाते है**, उनका स्वागत होना चाहिए। उन्होंने जो मुद्दे उठाए हैं, जैसे ट्रैफिक जाम, गंदगी, जल प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन, वे वास्तव में बेंगलुरु के लाखों निवासियों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रहे हैं।

डीके शिवकुमार की आलोचना और किरण मजूमदार-शॉ के समर्थन से यह मामला तेजी से राजनीतिक और सामाजिक बहस का विषय बन गया है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह टकराव दिखाता है कि **राज्य प्रशासन और उद्योगपति समुदाय** के बीच संवाद की आवश्यकता है। उनका कहना है कि जब शहर के वास्तविक मुद्दों को उठाया जाता है, तो उसे व्यक्तिगत आलोचना के रूप में नहीं, बल्कि सुधार का अवसर मानना चाहिए।

बेंगलुरु शहर की जनता का कहना है कि किरण मजूमदार-शॉ ने सही समय पर सही मुद्दा उठाया। कई व्यवसायियों और नागरिकों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार की दिशा में आवाज उठाना **सकारात्मक बदलाव** की शुरुआत हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार और प्रशासन को उद्योगपतियों और नागरिकों के सुझावों पर ध्यान देना चाहिए।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह घटना सिर्फ एक व्यक्तिगत विवाद नहीं है, बल्कि **शहरी नीति, प्रशासनिक जवाबदेही और नागरिक भागीदारी** के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। बेंगलुरु जैसे महानगर में नागरिकों, उद्योगपतियों और सरकार के बीच संवाद बनाए रखना जरूरी है ताकि शहर का विकास संतुलित और प्रभावी ढंग से हो सके।

कुल मिलाकर, किरण मजूमदार-शॉ और डीके शिवकुमार के बीच हुए इस विवाद ने बेंगलुरु के इंफ्रास्ट्रक्चर मुद्दों पर एक व्यापक चर्चा शुरू कर दी है। यह न केवल शहर की वास्तविक समस्याओं को उजागर करता है, बल्कि प्रशासन और नागरिकों के बीच सहयोग और सुधार की दिशा में कदम बढ़ाने की प्रेरणा भी देता है। बेंगलुरु के लोग, चाहे उद्योगपति हों या आम नागरिक, इस मुद्दे पर सक्रिय रूप से अपनी राय रख रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट हो जाता है कि शहर के विकास में **सभी वर्गों की भागीदारी** अनिवार्य है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.